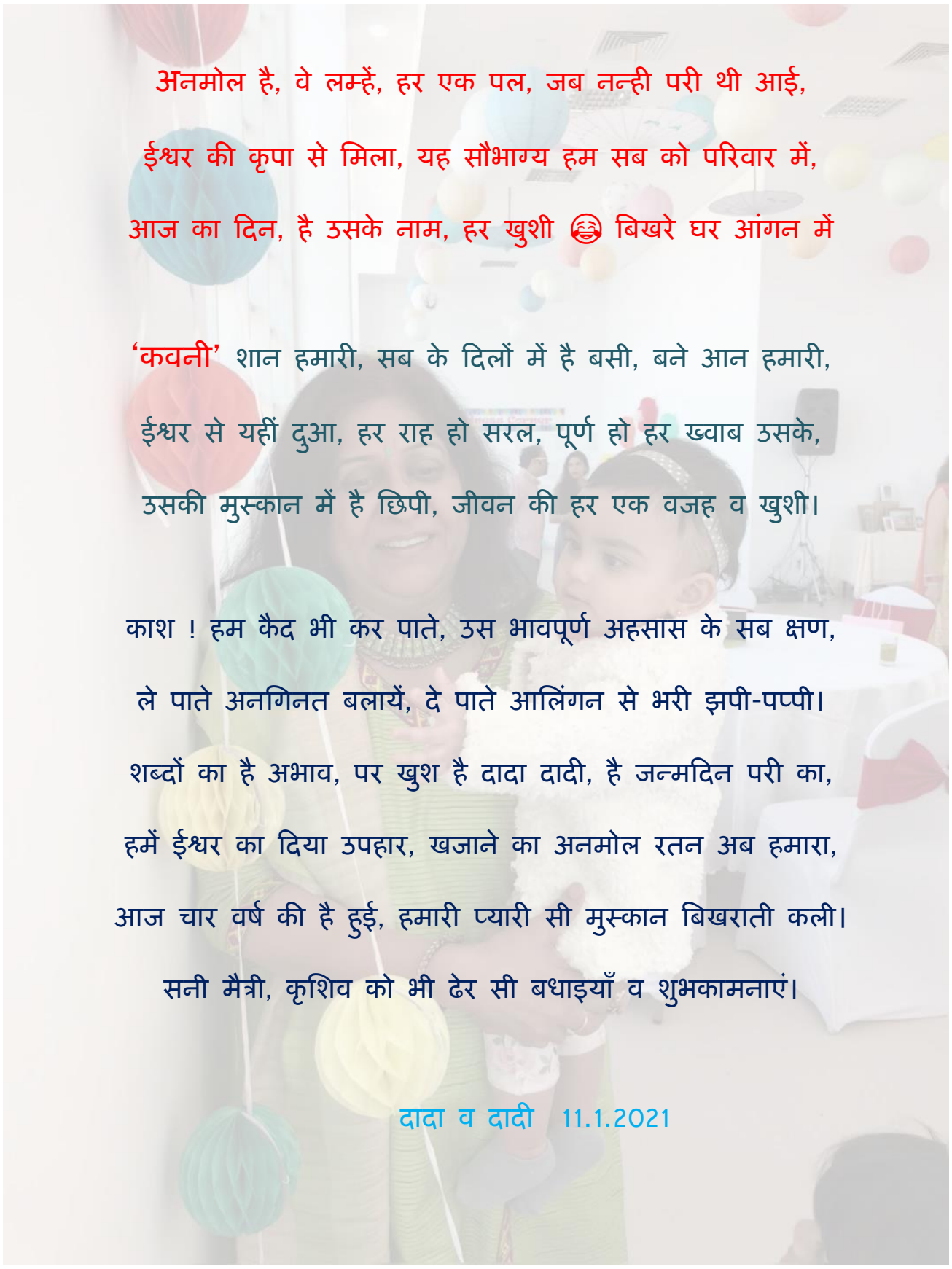

अनमोल है, वे लम्हें, हर एक पल, जब नन्ही परी थी आई,

ईश्वर की कृपा से मिला, यह सौभाग्य हम सब को परिवार में,

आज का दिन, है उसके नाम, हर खुशी 😂 बिखरे घर आंगन में

'कवनी' शान हमारी, सब के दिलों में है बसी, बने आन हमारी,

ईश्वर से यहीं दुआ, हर राह हो सरल, पूर्ण हो हर ख्वाब उसके,

उसकी मुस्कान में है छिपी, जीवन की हर एक वजह व खुशी।

काश ! हम कैद भी कर पाते, उस भावपूर्ण अहसास के सब क्षण,

ले पाते अनगिनत बलायें, दे पाते आलिंगन से भरी झपी-पप्पी।

शब्दों का है अभाव, पर खुश है दादा दादी, है जन्मदिन परी का,

हमें ईश्वर का दिया उपहार, खजाने का अनमोल रतन अब हमारा,

आज चार वर्ष की है हुई, हमारी प्यारी सी मुस्कान बिखराती कली।

सनी मैत्री, कृशिव को भी ढेर सी बधाइयाँ व शुभकामनाएं।

दादा व दादी 11.1.2021